श्रीलंका की टीम पहुंची सेक्सरिया शुगर मिल

5/6/12 दैनिक पायनियर

सबाददाता। बिसवां, सीतापुर

श्रीलंका के लघुनिर्यात एवं फसल प्रमोशन मंत्री के साथ पांच सदस्यीय टीम का दौरा

श्रीलंका में गन्ने की खेती के सुधार, चीनी मिलों को नियोजित ढंग से संचालन बनने से भारत की ही तरह शुगर की रिकवरी तथा दोनो देशों में कृषि के क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने को लेकर श्रीलंका के लघुनिर्यात एवं फसल प्रमोशन मंत्री डॉ. रेगीनाल्ड कुर्रे के नेतृत्व में 5 सदस्यी टीम ने उत्तर प्रदेश से सीतापुर जिले की बिसवां कस्बे में स्थित सेक्सरिया शुगर मिल तथा तहसील क्षेत्र टिकरा एवं खमरिया गांवों का दौरा किया।

सोमवार को श्रीलंकाई मंत्री रेगीनाल्ड कुर्रे के साथ एडीशनल सेक्रेट्री एम.एम.ई.सी.पी., श्रीलंका शुगर केन रिसर्च इंस्टीट्यूट के चेयरमैन एस.के. सिरील, शुगर केन इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर/सीईओ डॉ. एनसी कुमार सिंघे, असिस्टेंट सेक्रेट्री एमएमईसीपी बीएन कुलेथीलेक के अलावा भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ के डायरेक्टर एस सोलोमन, वरिष्ठ वैज्ञानिक ए.के. शाह तथा डॉ. एस.एन. सुशील उपस्थित हैं। इस दल में सबसे पहले टिकरा एवं खमरिया स्थित गन्ना फार्मों को देखा तथा किसानों से भी बातचीत की। उन्होंने भारतीय गन्ना अनुसंधान लखनऊ द्वारा विकसित कोलक 941814 गन्ने की प्रजाति एवं अन्य तकनीकों का खेतों में उसके उत्पादन का आंकलन किया तथा भारत में गन्ने की खेती के प्रति लोगों में रूझान की सराहना की। तत्पश्चात सेक्सरिया शुगर मिल पहुंचकर चीनी मिल के अधिकारियों केन प्रबन्धकों से विस्तृत वार्ता की विदेशी दल ने गन्ने की फसल का उत्पादन बढ़ाने, किस प्रजाति में कितनी रिकवरी होती है, क्षेत्रफल कैसे मेनटेन किया जाता है, कौन-कौन सी प्रजाति उगाई जाए इत्यादि के बारे में भी बातचीत की इस मौके पर श्रीलंकाई दल ने श्रीलंका में गन्ने की खेती के विषय में भी बतलाया और भविष्य में गन्ने की खेती एवं शुगर मिलों को लेकर आपसी सहयोग एवं सामन्जस्य बनाए रखने के लिए उज्जल भविष्य की संभावना व्यक्त की।

श्रीलंका के मंत्री के साथ पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल और शुगर मिल का प्रबधतंत्र पायनियर

इस मौके पर श्रीलंकाई दल को गन्ने की खेती के विभिन्न पहलुओं को प्रोजेक्टर फिल्म द्वारा भी दर्शाया गया। सेक्सरिया शुगर मिल में आयोजित श्रीलंकाई दल के साथ बैठक में शुगर मिल के अधिशाषी अधिकारी आर.सी. सिंघल, उपजिलाधिकारी मृत्युंजयराम, वरिष्ठ केन मैनेजर डॉ. अनूप सिंह, पर्सनल मैनेजर अतुल श्रीवास्तव, केन मैनेजर रामवीर सिंह, आशीष अवस्थी, सीडीओ विमल मिश्रा के अतिरिक्त भारी सुरक्षा बल तैनात था।

फील्ड विजिट योजना के तहत टीम ने किया दौरा: रेगीनाल्ड कुर्रे

बिसवां, सीतापुर। श्रीलंका के लघुनिर्यात एवं फसल प्रमोशन मंत्री रेगीनाल्ड कुर्रे ने पत्रकारों से बताया कि श्रीलंका में मात्र 6 चीनी मिलें हैं किसानों को सरकार द्वारा गन्ने की खेती के लिए कृषियोग्य भूमि लीज पर दवाओं, खाद एवं विभिन्न प्रजातियों के बीच इत्यादि उपलब्ध कराए जाते हैं इसके बावजूद किसानों का गन्ने की खेती में रूझान कम है जिससे उसका उत्पादन भी कम होता है। श्रीलंका में गन्ने का उत्पादन बढ़ाने, चीनी मिलों की क्षमता बढ़ाने, गन्ने की खेती नयी तकनीकों द्वारा कराने के लिए भारत के उ.प्र. के गन्ना उत्पादन का अध्ययन करने, सरकारी नीतियों तथा प्रबन्धन की बारीकी जानने गयी। यहां की जानकारियों से हम लोग काफी प्रभावित हैं इसको लेकर यहां के अधिकारियों के एक दल को हम लोग श्रीलंका आमंत्रित कर रहे हैं ताकि श्रीलंका भी गन्ने की खेती में प्रगति कर सकें। श्रीलंका में स्नातक तक के शिक्षा मुफ्त दी जाती है।

5 जून, 2012

श्रीलंकाई प्रतिनिधि मंडल ने बिसवां चीनी मिल का किया दौरा

श्रीलंका में होगा सीतापुर की तर्ज पर गन्ने व चीनी का उत्पादन

अमर उजाला ब्यूरो

बिसवां (सीतापुर)। पड़ोसी राष्ट्र श्रीलंका में भी अब सीतापुर जिले की ही तर्ज पर गन्ने की खेती और चीनी का उत्पादन किया जाएगा। इस बाबत जानकारी हासिल करने के लिए श्रीलंका सरकार का पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल सोमवार को सीतापुर पहुंचा। इसका प्रतिनिधित्व वहां के फसल निर्यात एवं प्रमोशन मंत्री रेगीनाल्ड कुर्रे कर रहे थे। प्रतिनिधि मंडल ने बिसवां चीनी मिल पहुंच कर गन्ने की बोआई वर चीनी उत्पादन की प्रक्रिया का अवलोकन किया।

प्रतिनिधि मंडल में ये थे शामिल

श्रीलंका सरकार के प्रतिनिधि मंडल में वहां के फसल निर्यात एवं प्रमोशन मंत्री रेगीनाल्ड कुर्रे के अलावा श्रीलंका की शुगर केन रिसर्च इंस्टीट्यूट के चेयरमैन एसके सायरिस, निदेशक एनवी कुमार सिंह, इसी इंस्टीट्यूट की डीएन कुलाटी, आरएमसीएम फर्ड, रहे।

प्रतिनिधि मंडल द्वारा पूछे गये सवालों का जवाब देते हुए बिसवां चीनी मिल के मुख्य अधिशासी आरसी सिंघल ने बताया कि मिल की स्थापना 1932 में हुई थी। उस समय मिल की प्रतिदिन की पेराई क्षमता चार सौ टन थी जो अब बढ़कर 7500 टन हो चुकी है। इसे एक हजार टन और बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रतिनिधि मंडल ने चीनी मिलों प्रदेश सरकार द्वारा मिलने वाली सुविधाओं, गन्ना मूल्य, बीज आदि जानकारियां भी प्राप्त की। इससे पूर्व प्रतिनिध मंडल क्षेत्र के ग्राम कम्हरिया तथा टिकरा जाकर गन्ने की खेती का अवलोकन किया।

इस मौके पर प्रतिनिध मंडल ने गन्ने की नई तकनीक की खेती करने गन्ने की नई प्रजातियों को विकसित करने के अलावा किसानों द्वारा की जा रही सह खेती के बाबत जानकारी प्राप्त की एवं खेती की वैज्ञानिक विधि के बाबत जानकारी भी प्राप्त की। मिल प्रबंधन द्वारा श्रीलंकाई टीम को डाक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई।

इस मौके पर श्री लंका के फसल प्रमोशन मंत्री रेगीनाल्ड कुर्रे ने बताया कि श्रीलंका राष्ट्र में मात्र 6 चीनी मिले हैं। जोकि गन्ना किसानों को गन्ने का उत्पादन बढ़ाने के लिए भूमि से लेकर सारी सुविधायें मुहैया करवाती हैं। इसके बावजूद मिलें घाटे में जा रही हैं। जबकि इंडिया में 527 चीनी मिलों में से 125 चीनी मिलें उत्तर प्रदेश में है और यहां का गन्ना किसान और मिलों के बीच अच्छे तालमेल के चलते अच्छा उत्पादन हो रहा है। इन चीजों की जानकारी लेने के लिए श्रीलंका सरकार ने प्रतिनिधि मंडल भेजा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भारत के कई क्षेत्रों में सरकार से समझौता करके दोनों देशों के बीच कार्य करना चाहते है। उन्होंने कहा कि मैं श्रीलंका सरकार की ओर से बिसवां चीनी मिल के प्रबंधकों को आमंत्रण देता हूं कि वह श्रीलंका आएं और वहां की भौगोलिक स्थिति का अध्ययन करके वहां भी चीनी मिल की स्थापना करें। इस मौके पर गन्ना अनुसंधान केंद्र के गन्ना अनुसंधान केंद्र के डा. अनूप सिंह, डा. रामवीर, डा. एके शाह आदि मौजूद रहें।

बिसवां चीनी मिल के अधिकारियों के साथ सोमवार को गन्ना व चीनी उत्पादन के बारे में बैठक करते श्रीलंका का प्रतिनिधि मंडल

5 जून, 2012 दैनिक जागरण

श्रीलंका में चीनी उद्योग का निमंत्रण

श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते मिल अधिकारी जागरण

- श्रीलंका के प्रतिनिधिमंडल ने सेक्सरिया चीनी मिल का निरीक्षण किया

संवादसूत्र, बिसवां (सीतापुर): श्रीलंका का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार की शाम गन्ना अनुसंसाधन संस्थान लखनऊ के मार्ग दर्शन में सेक्सरिया चीनी मिल बिसवां पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने चीनी मिल का निरीक्षण किया और गांवों का दौरा कर गन्ना फसल देखी। मिल की अच्छी रिकवरी व बेहतर तकनीक के प्रयोग से खुश होकर श्रीलंका में चीनी उद्योग स्थापित करने का निमंत्रण भी दिया।

श्रीलंका से आए प्रतिनिधिमंडल में लघु निर्यात एवं क्राप्स प्रमोशन के रेगीनाल्ड कुरे, अतिरिक्त सचिव सीएम हेराथ, अध्यक्ष एके सीरिल, शुगर अनुसंधान के डॉ एन सी कुमार सिंघे, डीएन कुलेथीलेक शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल गन्ना अनुसंधान केंद्र लखनऊ के निदेशक डॉ एस सोलोमन, वैज्ञानिक डॉ एके शाह, डॉ एस एन सुशील के नेतृत्व में सेक्सरिया चीनी मिल पहुंचे। चीनी मिल अधिकारियों के साथ बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने टिकरा व खमरिया स्थित गन्ना फार्म का अवलोकन किया। गन्ना किसानों से भी बातचीत की। गन्ना अनुसंधान द्वारा विकसित कोलख 941814 का भी अवलोकन किया। चीनी मिल अधिकारियों से गन्ना प्रजाति के विषय में जानकारी की। चीनी मिल की अच्छी रिकवरी व अन्य बेहतर आधुनिक संसाधन देखकर काफी प्रशंसा की।

प्रतिनिधिमंडल ने खुश होकर श्रीलंका में चीनी उद्योग लगाने के लिए आमंत्रण दिया। इस दौरान चीनी मिल के वरिष्ठ अधिकारी आरसी सिंघल, डॉ अनूप सिंह, डॉ रामवीर सिंह, आरसी नौसरिया, विमल मिश्र, एसडीएम मृत्युंजय राम, सीओ जेपी सिंह आदि भी उपस्थित थे।